>

Title: Situation arising out of Indian Nationals taken as Hostage by the Somalian Pirates.

MADAM SPEAKER: Now we will take up 'Zero Hour'.

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): अध्यक्ष महोदया, सोमालिया के समुद्री लुटेरों द्वारा बंधक बनाये गये भारतीयों को मार डालने की समय सीमा आज तक निर्धारित थी। इसलिए यह विषय एसओएस जैसी इमर्जेंसी का बन गया, तो मैंने आपसे इस विषय को उठाने की विशेष अनुमति मांगी। मैं आपको बहुत धन्यवाद देती हूं कि आपने मुझे यह विषय उठाने की अनुमति दी। मैं अभी तक विदेश मंत्री जी को यहां बैठे हुए देख रही थी। मुझे नहीं मालूम, वह कब उठकर चले गये, वर्ना मैं आपसे विशेष आग्रह करती कि आप उन्हें रोक लें।

अध्यक्षा जी, समुद्री लुटेरों द्वारा जहाजों को पकड़कर लोगों को बंधक बनाने की घटनाएं दिन-प्रतिदन बढ़ती जा रही हैं। हर सात दिन के बाद एक खबर आ जाती है कि आज एक जहाज को बंधक बना लिया गया। आज से करीब एक महीना पहले मेरे केरल प्रवास के दौरान केरल का एक परिवार मुझसे आकर मिला था, जिसमें उन्होंने कहा कि उनका बेटा नौ महीने से बंधक बना हुआ है। मैंने स्वयं जाकर विदेश मंत्री जी से बात की थी। इसलिए मैं कह रही थी कि अगर विदेश मंत्री जी बैठे होते तो अच्छा होता। उन्होंने मुझे विश्वास दिलाया था कि वह बहुत जल्दी उसका पता लगायेंगे और उसे छुड़ाने के लिए क्या कर सकते हैं, यह भी बतायेंगे।

लेकिन अभी तक उसका कोई उत्तर नहीं मिला है। सुवेज नाम का जो जहाज पकड़ा हुआ है, उस पर आठ भारतीय हैं, उनके सारे परिवारजन दिल्ली आए हुए हैं और यहां-वहां भटक रहे हैं, एक-एक व्यक्ति के पास जा रहे हैं क्योंकि आज की समयसीमा उनको मार डालने की है। मैं पूछना चाहती हूं इस सरकार से और सरकार के मंत्रियों से कि जब अमेरिका का कोई एक व्यक्ति किसी दूसरे देश में फंस जाता है, तो उसे छुड़ाने के लिए अमेरिका जमीन-आसमान एक कर देता है। अभी आपने पिछले दिनों देखा डेविस के प्रसंग में, पाकिस्तान और अमेरिका के इतने मधुर संबंध भी तनावपूर्ण हो गए क्योंकि उनको लगा कि एक अमेरिकी फंस रहा है, लेकिन क्या कारण है कि हमारे भारतीय बच्चों को ट्राई वैली यूनिवर्सिटी में उनको एंकलेट्स पहना दिए जाते हैं, श्रीलंका नेवी द्वारा हमारे मछुआरे मारे जाते हैं, सोमालिया जैसा छोटा देश हमारे जैसे बड़े देश को ठेंगा दिखाकर हमारे लोगों को बंधक बना देता है? हमारा रिस्पांस ऐसा होता है कि कोई हमें सीरियसली नहीं ले रहा है। मैं आज सबसे पहले यह जानना चाहती हूं कि भारत सरकार इन लोगों को छुड़ाने के लिए क्या कर रही है? हमारे लोग वाकई सुरक्षित लौट आएं, इसके लिए सरकार द्वारा क्या प्रयत्न किया गया है? यह मेरा तात्कालिक प्रश्न है। इसके बारे में मैं एक दीर्घकालिक नीति भी चाहती हूं क्योंकि ये समुद्री लुटेरे जिन जहाजों को पकड़ रहे हैं, उनमें केवल भारतीय नहीं हैं, उनमें विश्व के अनेक देशों के लोग हैं, इसलिए भारत को पहल करके इसके लिए एक ग्लोबल नीति भी बनानी पड़ेगी, जिससे इन लोगों की दादागिरी समाप्त हो और पैसेंजर सुरक्षित तरीके से जा सकें। हमें ग्लोबली एक नीति बनाने के लिए इनिशिएटिव लेना है, यह मेरी बड़ी मांग है, लेकिन अभी तात्कालिक तौर पर इन परिवारजनों को हम क्या कहें, क्या कह कर सांत्वना दें? सरकार क्या कर रही है, यह हमें बताएं। दो बजे वे लोग मुझसे मिलने के लिए आ रहे हैं, इसलिए मैं चाहती हूं कि सरकार का रिस्पांस आ जाए ताकि उनको मैं सांत्वना के चंद शब्द कह सकूं। मैं आपकी बहुत शुक्रगुज़ार हूं कि आपने मुझे विशेष अनुमति देकर यह विषय उठाने की इजाजत दी।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Dr. Shashi Tharoor.

श्रीमती सुषमा स्वराज : महोदया, यह कोई आम विषय नहीं है जिसे शून्यकाल में कह दिया। आज की समयसीमा दी गयी है। आज उनको मार डालने के लिए कहा गया है, इसलिए इस पर आज जवाब दिया जाए। संसदीय कार्यमंत्री बताएं कि क्या विदेश मंत्री जी आकर बता देंगे।...(व्यवधान)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, MINISTER OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND MINISTER OF EARTH SCIENCES (SHRI PAWAN KUMAR BANSAL): Madam Speaker, I will convey this to the hon. Minister for External Affairs...(*Interruptions*)

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ : We want a statement.

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: I have to convey this to the hon. Minister of External Affairs and then only he could say something subsequently thereto.

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ : But it should not be deferred till tomorrow. We want it today.

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: I cannot say that.

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ : You will have to say that.

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: I cannot say that the statement will be made today.

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ : You will have to say that.

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: But I can certainly say that I will convey this to the hon. Minister of External Affairs right now. I do not know a to what facts he has to collect; what are the developments; and whether anything could be shared or not are various aspects that have to be considered. But I will get it conveyed to the hon. Minister of External Affairs immediately.â€¦ (*Interruptions*)

श्रीमती सुषमा स्वराज : मंत्री जी यहां बैठे हुए थे, मुझे पता ही नहीं चला कि कब वह उठकर चले गए।...(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल: आप उस वक्त उनको कह देतीं, उनके पास नोटिस नहीं होती है, उनको जीरो आवर का पता नहीं होता है। अगर वह उठकर जा रहे थे, उसी वक्त उनको आप रोक लेते, तो वह रुक जाते।...(व्यवधान) आप यहां बैठी थीं, उनको नहीं मालूम था कि आप क्या बात उठाने वाली हैं। आप उस वक्त उनको कह देतीं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : महोदया, आप इस मामले की गंभीरता को समझते हुए सरकार को निर्देशित कीजिए कि दो बजे जब हाउस बैठेगा, उस समय तक जवाब आए। यह एक मानवीय संवेदना का सवाल है, यह कोई राजनीति का सवाल नहीं है। जो लोग बंधक बने हैं, वे भारतीय हैं, न वे भाजपा के हैं, न कांग्रेस के हैं। ...(व्यवधान) मैडम, इसमें आपका संरक्षण चाहिए। आप यह कहिए कि विदेश मंत्री जी दो बजे जवाब दें।...(व्यवधान) हम इस मामले में लेट नहीं हो सकते। यह एसओएस जैसी इमरजेंसी है।...(व्यवधान)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: Madam, Speaker, we do attach all the importance that ought to be attached to the statement made by hon. Leader of the Opposition. But I do not know what could be the various angles which have to be looked into by the Ministry of External Affairs. before making a statement. Therefore, I said that I will get it conveyed to the hon. Minister concerned and thereafter he will respond the way as he thinks fit and proper. I cannot say whether he will come in the afternoon and make a statement only because you want the statement to be made immediately...(*Interruptions*)

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ : The country wants it, not me alone...(*Interruptions*) मेरा कोई भाई नहीं है, लेकिन सभी मेरे भाई-बहन हैं।...(व्यवधान)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: But there are various aspects that have to be considered. She should not presume that the Government is not sensitive to this issue ...(*Interruptions*) She should not presume and cast aspersions on everything that comes your mind. ...(*Interruptions*)

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ : I will have to presume...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Sushmaji, he will convey it to the concerned Minister immediately.

...(*Interruptions*)

श्रीमती सुषमा स्वराज : जिन लोगों के सिर पर तलवार लटक रही है, मैं उनकी तरफ से बोल रही हूं।...(व्यवधान)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: I have just sent a word to the hon. Minister for External Affairs and he will be just coming here....(*Interruptions*)

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: All right....(*Interruptions*)